Machine Translated by Google

भारत के राज्यवार लोक नृत्य	
आंध्र प्रदेश	
लोक नृत्य	विवरण
कुचिपुड़ी	यह एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसकी जड़ें प्राचीन हिंदू ग्रंथों में हैं, तथा इसमें अक्सर महाभारत जैसे महाकाव्यों की कहानियों को दर्शाया जाता है।
दप्पू	यह एक लयबद्ध नृत्य है जो हाथ में ढोल लेकर किया जाता है, तथा आमतौर पर ग्रामीण समुदायों द्वारा किया जाता है।
धीम्सा	अराकू घाटी का एक आदिवासी नृत्य, जो त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है।
कोलाट्टम	लयबद्ध ताली और लाठियों के साथ किया जाने वाला समूह नृत्य, जो गुजरात के डांडिया जैसा है।
विलासिनी नाट्यम	यह एक प्राचीन नृत्य शैली है जो पारंपरिक रूप से मंदिरों में की जाती थी, जिसे अब शास्त्रीय नृत्य के रूप में पुनर्जीवित किया गया है।
आंध्र नाट्यम	यह एक मंदिर नृत्य शैली है जो आंध्र प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करती है।
भमाकल्पम्	एक नृत्य-नाटिका जो हिंदू पौराणिक कथाओं, विशेषकर भगवान कृष्ण के बारे में कहानियां सुनाती है।
वीरनाट्यम	एक योद्धा नृत्य जिसमें उग्र गतिविधियाँ शामिल होती हैं, अक्सर भगवान शिव के सम्मान में किया जाता है।
तप्पेटा गुल्लू	एक जीवंत नृत्य शैली जिसमें तेज ताल और लयबद्ध गतिविधियां शामिल होती हैं, जिसे आमतौर पर त्योहारों के दौरान किया जाता है।
बुट्टा बोम्मालु	एक अनोखा नृत्य जिसमें कलाकार विशाल आकार की गुड़िया पहनते हैं और पारंपरिक संगीत की धुन पर नृत्य करते हैं।
असम	
बिहु	असम का सबसे लोकप्रिय नृत्य रूप, जो असमिया नव वर्ष मनाने के लिए बिहू त्योहार के दौरान किया जाता है।
बागुरुम्बा	बोडो समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक सुंदर नृत्य, जो प्रकृति और वन्य जीवन से प्रेरित है।
झुमुरा	एक पारंपरिक नृत्य-नाटिका जिसमें संगीत, नृत्य और नाटक का संयोजन होता है, जिसे मुख्य रूप से चाय जनजाति द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।
तबल चोंगली	छोटे-छोटे हाथ से ढोल बजाकर किया जाने वाला एक लयबद्ध नृत्य, जो इस क्षेत्र की मार्शल परंपराओं को दर्शाता है।
नटपूजा	स्थानीय देवताओं के सम्मान में किया जाने वाला एक अनुष्ठानिक नृत्य, जो असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है।
कालीगोपाल	भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित एक नृत्य-नाटिका, जिसमें संगीत, नृत्य और कहानी का मिश्रण है।
बिहार	
जटा-जटिन	यह एक लोकप्रिय लोक नृत्य है जो जटा और जतिन की प्रेम कहानी को बयां करता है तथा बिहार के ग्रामीण जीवन को दर्शाता है।
बखो-बखैन	त्यौहारों के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर लोक गीतों के साथ होता है।
पंवारिया	धार्मिक अवसरों पर ग्रामीण समुदायों द्वारा किया जाने वाला भक्ति नृत्य।
समा चकवा	सामा-चकेवा के त्यौहार को मनाने के लिए महिलाओं द्वारा किया जाने वाला नृत्य, जो भाई-बहन के बीच के बंधन का प्रतीक है।
बिदेसिया	यह लोक रंगमंच का एक रूप है जो नृत्य, संगीत और नाटक का संयोजन करता है तथा ग्रामीण प्रवासियों के संघर्षों को दर्शाता है।
गुजरात	
गरबा	नवरात्रि के दौरान किया जाने वाला एक जीवंत नृत्य, जिसमें लयबद्ध ताली और गोलाकार गतियां शामिल होती हैं।
डांडिया रास	यह रंग-बिरंगी छड़ियों के साथ किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य है, जो आमतौर पर नवरात्रि जैसे त्यौहारों के दौरान किया जाता है।
भवाई	एक लोक रंगमंच जिसमें नृत्य, नाटक और संगीत शामिल होता है, तथा जो अक्सर सामाजिक मुद्दों को दर्शाता है।
तिप्पानी जुरिउन	यह नृत्य महिलाओं द्वारा लाठी और थालियों का प्रयोग करके किया जाता है, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है।
राठवा नी घेर	होली के त्यौहार के दौरान राठवा समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक आदिवासी नृत्य।
डांगी	डांगी जनजाति द्वारा किया जाने वाला नृत्य, जो प्रकृति और वन्य जीवन के साथ उनके संबंध को दर्शाता है।

KD JOB UPDATES

Machine Translated by Google

हरयाणा	
झूमर	पुरुषों और महिलाओं दोनों द्वारा किया जाने वाला एक लोकप्रिय नृत्य, जो अपनी सुंदर चाल के लिए जाना जाता है।
फाग	वसंत ऋतु के त्यौहार फाग के दौरान किया जाने वाला नृत्य, जो फसल के मौसम का जश्न मनाता है।
डैफ़	त्योहारों के दौरान डैफ ड्रम की थाप के साथ किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य।
धमाल	पुरुषों द्वारा किया जाने वाला एक जोरदार नृत्य, जो आमतौर पर खुले मैदानों में ग्रामीण जीवन की भावना का जश्न मनाता है।
लोर	फसल के मौसम के दौरान युवा लड़कियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य, जो खुशी और समृद्धि को दर्शाता है।
गुगा	हरियाणा में पूजे जाने वाले लोक देवता गुग्गा पीर के सम्मान में किया जाने वाला नृत्य।
हिमाचल प्रदेश	
नाती	एक लोकप्रिय नृत्य शैली, जिसे गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा सबसे बड़े लोक नृत्य के रूप में मान्यता दी गई है, जिसे त्यौहारों और शादियों के दौरान किया जाता है।
छम	बौद्ध भिक्षुओं द्वारा किया जाने वाला एक अनुष्ठानिक नृत्य, जिसका उद्देश्य बुरी आत्माओं को दूर भगाना है।
झोरा	पुरुषों और महिलाओं द्वारा किया जाने वाला सामुदायिक नृत्य, जो हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
छरही	धार्मिक समारोहों के दौरान किया जाने वाला नृत्य, जो अक्सर लोकगीतों और संगीत के साथ होता है।
थोडा	यह एक मार्शल नृत्य शैली है जिसमें तीरंदाजी और नृत्य के तत्वों का संयोजन होता है, तथा यह क्षेत्र की योद्धा परंपराओं को प्रतिबिंबित करता है।
छपेली	यह युगलों द्वारा किया जाने वाला एक रोमांटिक नृत्य है, जो क्षेत्र के आनंद और उत्सव को प्रदर्शित करता है।
जम्मू और कश्मीर	
रऊफ	फसल कटाई के मौसम में महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें उनकी सुंदर मुद्राएं होती हैं।
धूमल	यह एक जीवंत नृत्य है जो पुरुषों द्वारा पारंपरिक टोपी पहनकर, आमतौर पर उत्सवों के दौरान किया जाता है।
हफीजा	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक शास्त्रीय नृत्य, जो प्रायः विवाहों और त्योहारों के दौरान किया जाता है।
भांड पाथेर	एक लोक रंगमंच जो नृत्य, नाटक और व्यंग्य का संयोजन करता है, तथा क्षेत्र के सामाजिक मुद्दों को दर्शाता है।
हिकत	वसंत ऋतु के दौरान युवा लड़कियों द्वारा किया जाने वाला एक घूमता हुआ नृत्य।
कुद	ग्रामीण समुदायों द्वारा किया जाने वाला एक औपचारिक नृत्य, आमतौर पर शादियों और त्योहारों के दौरान।
कर्नाटक	
यक्षगान	एक पारंपरिक नृत्य-नाटक शैली जिसमें नृत्य, संगीत और संवादों का संयोजन होता है, तथा अक्सर हिंदू पौराणिक कथाओं की कहानियों को दर्शाया जाता है।
डोल्लू कुनिथा	पुरुषों द्वारा किया जाने वाला एक ढोल नृत्य, जिसमें जोरदार चाल और तेज ताल की विशेषता होती है।
वीरगासे	दशहरा उत्सव के दौरान किया जाने वाला योद्धा नृत्य, जो वीरता और साहस का प्रतीक है।
करगा	देवी द्रौपदी के सम्मान में किया जाने वाला एक अनुष्ठानिक नृत्य, जिसमें सिर पर घड़े रखकर संतुलन बनाना शामिल है।
उम्मत्त-आत	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
बयालता	एक लोक रंगमंच जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक का संयोजन होता है, जिसे आमतौर पर खुले वातावरण में प्रदर्शित किया जाता है।

KD JOB UPDATES

Machine Translated by Google

केरल	
कथकली	एक शास्त्रीय नृत्य-नाट्य शैली जो अपनी विस्तृत वेशभूषा और भावपूर्ण भाव-भंगिमाओं के लिए जानी जाती है, जिसमें अक्सर हिंदू महाकाव्यों की कहानियों को दर्शाया जाता है।
मोहिनीअट्टम	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक शास्त्रीय नृत्य, जो सुन्दर चाल और सुंदर वेशभूषा से पहचाना जाता है।
कुम्माट्टिकाली	ओणम त्यौहार के दौरान किया जाने वाला मुखौटा नृत्य, जिसमें रंग-बिरंगे परिधान और लयबद्ध गतिविधियां शामिल होती हैं।
ओट्टम थुल्लाल	एक एकल नृत्य-नाटिका जिसमें नृत्य, संगीत और व्यंग्य का संयोजन होता है, जिसे अक्सर मंदिर उत्सवों के दौरान प्रदर्शित किया जाता है।
Kolkali	यह केरल की मार्शल परम्पराओं को दर्शाते हुए लाठी के साथ किया जाने वाला एक समूह नृत्य है।
Kaikottikali	ओणम त्यौहार के दौरान महिलाओं द्वारा किया जाने वाला पारंपरिक नृत्य, जो एकता और सद्भाव का प्रतीक है।
महाराष्ट्र	
लावणी	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अपनी ऊर्जावान गतिविधियों और लयबद्ध संगीत के लिए जाना जाता है।
पोवाडा	एक लोक नाट्य शैली जो संगीत, नृत्य और नाटक का मिश्रण करके शिवाजी महाराज के वीरतापूर्ण कार्यों का वर्णन करती है।
लेज़िम	गणेश उत्सव के दौरान किया जाने वाला एक लोक नृत्य, जिसमें लेज़िम नामक छोटे झांझों का प्रयोग किया जाता है।
कोली	कोली मछुआरा समुदाय द्वारा किया जाने वाला नृत्य, जो उनके दैनिक जीवन और समुद्र के साथ संबंध को दर्शाता है।
धनगरी गज	यह नृत्य धनगर चरवाहा समुदाय द्वारा किया जाता है, जो आमतौर पर धार्मिक समारोहों और त्योहारों के दौरान किया जाता है।
तमाशा	एक लोक रंगमंच जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक का संयोजन होता है, जिसे अक्सर ग्रामीण महाराष्ट्र में प्रदर्शित किया जाता है।
ओडिशा	
ओडिसी	यह एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसकी जड़ें ओडिशा के मंदिरों में हैं, जो अपनी लयात्मक गतिविधियों और जटिल भाव-भंगिमाओं के लिए जानी जाती है।
छाऊ	एक मार्शल नृत्य शैली जिसमें नृत्य, संगीत और मार्शल आर्ट के तत्वों का संयोजन होता है, तथा अक्सर हिंदू पौराणिक कथाओं की कहानियों को दर्शाया जाता है।
दलखाई	दशहरा उत्सव के दौरान महिलाओं द्वारा किया जाने वाला लोक नृत्य, जिसमें लयबद्ध चाल और लोकगीत शामिल होते हैं।
रानापा	यह एक पारंपरिक नृत्य है जो खंभों पर खड़ा होकर किया जाता है, जिसमें अक्सर भगवान कृष्ण के जीवन के अध्यायों का मंचन किया जाता है।
सखी कंधेई	एक कठपुतली नृत्य शैली जिसमें नृत्य, संगीत और कहानी कहने का संयोजन होता है, जिसे अक्सर धार्मिक त्योहारों के दौरान प्रदर्शित किया जाता है।
गोटीपुआ	लड़कियों की वेशभूषा में युवा लड़कों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य रूप, जिसे अक्सर ओडिसी का अग्रदूत माना जाता है।
पश्चिम बंगाल	
बाउल	बाउल समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक रहस्यमय नृत्य रूप, जो उनकी आध्यात्मिक मान्यताओं और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाता है।
गम्भीरा	चैत्र त्यौहार के दौरान किया जाने वाला एक लोक नृत्य, जिसमें अक्सर लकड़ी के मुखौटे का उपयोग किया जाता है और सामाजिक मुद्दों को दर्शाया जाता है।
जात्रा	एक पारंपरिक रंगमंच शैली जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक का संयोजन होता है, जिसे अक्सर खुले वातावरण में प्रदर्शित किया जाता है।
भटियाली गीत	यह एक पारंपरिक नाविक गीत है जो बंगाल के नदी तटीय समुदायों के जीवन और संघर्ष को दर्शाता है।
धाली	यह धाली समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक मार्शल नृत्य है, जो अपनी जोरदार गतिविधियों और ऊर्जावान संगीत के लिए जाना जाता है।
काठी	ग्रामीण समुदायों द्वारा अक्सर त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाने वाला छड़ी नृत्य।

KD JOB UPDATES

Machine Translated by Google

पंजाब	
भांगड़ा	बैसाखी के फसल उत्सव के दौरान किया जाने वाला एक जीवंत नृत्य, जो अपनी ऊर्जावान गतिविधियों और जीवंत वेशभूषा के लिए जाना जाता है।
गिद्धा	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें लयबद्ध ताली और लोकगीत शामिल होते हैं।
झूमर	पुरुषों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अपनी सुंदर चाल और लयबद्ध ताल के लिए जाना जाता है।
लुड्डी	यह एक लोक नृत्य है जो विजय का जश्न मनाने के लिए किया जाता है, अक्सर शादियों और त्यौहारों के दौरान।
किक्ली	युवा लड़कियों द्वारा जोड़े में हाथ पकड़कर तथा गोलाकार घूमते हुए किया जाने वाला नृत्य।
सम्मी	यह महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक लोक नृत्य है, जो प्रायः लोहड़ी के त्यौहार के दौरान किया जाता है, तथा यह आनंद और उत्सव का प्रतीक है।
राजस्थान	
घूमर	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अपनी सुंदर चाल और रंग-बिरंगे परिधानों के लिए जाना जाता है, अक्सर शादियों और त्योहारों के दौरान किया जाता है।
कालबेलिया	यह कालबेलिया समुदाय द्वारा किया जाने वाला यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त नृत्य है, जो अपनी साँप जैसी चाल के लिए जाना जाता है।
भवाई	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें सिर पर बर्तन रखकर संतुलन बनाना तथा सुंदर मुद्राएं अपनाना शामिल है।
चारी	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक औपचारिक नृत्य, जिसमें सिर पर जलते हुए दीपक के साथ पीतल के बर्तन को संतुलित करना शामिल है।
कच्ची घोड़ी	यह नृत्य नकली घोड़े की वेशभूषा पहने पुरुषों द्वारा किया जाता है, जिसमें प्रायः शौर्य और वीरता की कहानियां दर्शाई जाती हैं।
तेरह ताली	कामदा जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक भक्ति नृत्य, जिसमें मंजीरा (छोटी झांझ) का प्रयोग किया जाता है।
तमिलनाडु	
भरतनाट्यम	तमिलनाडु के मंदिरों में निहित एक शास्त्रीय नृत्य शैली, जो अपनी जटिल भंगिमाओं और भावपूर्ण शैली के लिए जानी जाती है। आंदोलनों.
करगाम	वर्षा देवी मरियम्मन के सम्मान में किया जाने वाला एक अनुष्ठानिक नृत्य, जिसमें सिर पर बर्तनों को संतुलित किया जाता है।
कुम्मी	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक समूह नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध ताली बजाई जाती है।
कवाडी	थाईपुसम त्यौहार के दौरान किया जाने वाला एक भक्ति नृत्य, जिसमें सुसज्जित मेहराब (कावड़ी) को उठाया जाता है।
कोलाट्टम	यह महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक छड़ी नृत्य है, जो प्रायः नवरात्रि के त्यौहार के दौरान किया जाता है।
नाट्यांजलि	भगवान शिव को श्रद्धांजलि के रूप में किया जाने वाला नृत्य, जो प्रायः नाट्यांजलि उत्सव के दौरान किया जाता है।
उत्तर प्रदेश।	
रासलीला	भगवान कृष्ण के जीवन को दर्शाने वाला एक भक्ति नृत्य-नाटिका, जो अक्सर होली के त्यौहार के दौरान प्रदर्शित किया जाता है।
नौटंकी	एक लोक रंगमंच जो नृत्य, संगीत और नाटक का संयोजन है, तथा अक्सर सामाजिक मुद्दों को दर्शाता है।
कजरी	मानसून के मौसम में अक्सर ग्रामीण महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक लोक गीत और नृत्य।
झोरा	पुरुषों और महिलाओं द्वारा किया जाने वाला सामुदायिक नृत्य, जो उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
चैपली	शादियों और त्यौहारों के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
जैता	धार्मिक त्योहारों के दौरान किया जाने वाला एक भक्ति नृत्य, जो अक्सर लोक गीतों के साथ होता है।

KD JOB UPDATES

Machine Translated by Google

उत्तराखंड	
गढ़वाली	गढ़वाल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करने वाला एक पारंपरिक नृत्य रूप, जो अक्सर शादियों और त्योहारों के दौरान किया जाता है।
कुमाऊंनी	कुमाऊं क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करने वाला एक पारंपरिक नृत्य रूप, जो अक्सर शादियों और त्योहारों के दौरान किया जाता है।
छोलिया	राजपूत समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक मार्शल नृत्य, जो प्रायः विवाहों और त्यौहारों के दौरान किया जाता है, जिसमें तलवारबाजी की विशेषता होती है।
झोरा	पुरुषों और महिलाओं द्वारा किया जाने वाला सामुदायिक नृत्य, जो उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
हुरका बाउल	फसल कटाई के मौसम में लोकगीतों और संगीत के साथ किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य।
चैपली	यह युगलों द्वारा किया जाने वाला एक रोमांटिक नृत्य है, जो क्षेत्र के आनंद और उत्सव को प्रदर्शित करता है।
गोवा	
तारंगमेल	दशहरा और होली के त्यौहारों के दौरान किया जाने वाला एक जीवंत नृत्य, जिसमें रंग-बिरंगे परिधान और लयबद्ध गतिविधियाँ शामिल होती हैं।
धलो	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः विवाहों और त्यौहारों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें उनकी सुंदर मुद्राएं होती हैं।
फुगडी	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक लोक नृत्य, जो प्रायः गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान किया जाता है, जिसमें तेज लयबद्ध ताली बजाई जाती है।
कुनबी	कुनबी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो उनकी कृषि जीवन शैली और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
देखनी	यह एक मिश्रित नृत्य है जिसमें पश्चिमी और भारतीय संगीत का मिश्रण होता है, जिसे अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान प्रस्तुत किया जाता है।
शिग्मो	शिग्मो उत्सव के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
मध्य प्रदेश	
जवारा	फसल की कटाई का जश्न मनाने के लिए किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर लोकगीतों और संगीत के साथ होता है।
मटकी	यह नृत्य महिलाओं द्वारा अपने सिर पर मिट्टी के बर्तन रखकर किया जाता है, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है।
फुलपति	अविवाहित लड़कियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य, जो प्रायः फूलपाती के त्यौहार के दौरान किया जाता है, जो समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है।
ग्रिडा नृत्य	पुरुषों और महिलाओं द्वारा किया जाने वाला समूह नृत्य, जो मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
सेलालार्की	युवा लड़कियों द्वारा किया जाने वाला एक लोक नृत्य, जिसमें लयबद्ध चाल और लोकगीत शामिल होते हैं।
मांच	एक पारंपरिक लोक रंगमंच जो नृत्य, संगीत और नाटक का संयोजन है, तथा अक्सर सामाजिक मुद्दों को दर्शाता है।
छत्तीसगढ़	
पंथी	सतनामी समुदाय द्वारा अक्सर धार्मिक त्योहारों के दौरान किया जाने वाला भक्ति नृत्य।
सैला	युवा लड़कों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर फसल कटाई के मौसम के बाद किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
राउत नाचा	यादव समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक लोक नृत्य, जो प्रायः दिवाली के त्यौहार के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें जोरदार गतिविधियाँ होती हैं।
आग	यह एक आदिवासी नृत्य है जो महिलाओं द्वारा अक्सर दिवाली के त्यौहार के दौरान किया जाता है, तथा इसकी विशेषता सुन्दर चाल होती है।
पंडवानी	एक लोक नाट्य शैली जो महाभारत की कहानी बयान करती है, जिसे अक्सर ग्रामीण समुदायों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।
गौर मारिया	मारिया समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक आदिवासी नृत्य, जो अक्सर दशहरा के त्यौहार के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता जोरदार होती है आंदोलनों.

KD JOB UPDATES

Machine Translated by Google

झारखंड	
कर्मा	शरद ऋतु के दौरान अक्सर आदिवासी समुदायों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो उर्वरता और समृद्धि का प्रतीक है।
झूमर	पुरुषों और महिलाओं दोनों द्वारा किया जाने वाला एक लोक नृत्य, जो अक्सर शादियों और त्यौहारों के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता सुंदर नृत्य है। आंदोलनों.
पाइका	यह पाइका समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक मार्शल नृत्य है, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा यह उनकी योद्धा परंपराओं को दर्शाता है।
मुंडारी नृत्य	मुंडा समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक जनजातीय नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
हंटा नृत्य	आदिवासी समुदायों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर शिकार के त्यौहारों के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता जोरदार होती है आंदोलनों.
सरहुल	सरहुल त्यौहार के दौरान किया जाने वाला एक आदिवासी नृत्य, जो वृक्षों और प्रकृति की पूजा का प्रतीक है।
अरुणाचल प्रदेश	
बुइया	दिगारू मिशमी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
रिखमपदा	न्यीशी जनजाति द्वारा किया जाने वाला नृत्य, जो अक्सर शादियों और त्योहारों के दौरान किया जाता है, जो उनकी सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।
पोनु योकसी	आदि जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः सोलुंग त्यौहार के दौरान किया जाता है, तथा जो समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है।
बारदो छम	शेरडुकपेन जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक मुखौटा नृत्य, जो अक्सर लोसर त्योहार के दौरान किया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।
पोपिर	आदि जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर सोलुंग के त्यौहार के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता सुंदर नृत्य है। आंदोलनों.
पोनुंग	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक समूह नृत्य, जो प्रायः सोलुंग त्यौहार के दौरान किया जाता है, जो खुशी और उत्सव का प्रतीक है।
मणिपुर	
रासलीला	यह एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जो भगवान कृष्ण के जीवन को दर्शाती है, जिसे अक्सर होली के त्यौहार के दौरान प्रस्तुत किया जाता है।
लाई हराओबा	वन देवताओं के सम्मान में किया जाने वाला एक अनुष्ठानिक नृत्य, जो प्रायः लाई हराओबा त्यौहार के दौरान किया जाता है।
थांग ता	एक पारंपरिक मार्शल आर्ट जिसमें नृत्य, संगीत और युद्ध तकनीकों का संयोजन होता है, जिसे अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान प्रदर्शित किया जाता है।
पुंग चोलोम	पुंग (ढोल) वादकों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें कलाबाजियां और लयबद्ध ताल की विशेषता होती है।
खम्बा थाइबी	यह एक पारंपरिक नृत्य है जो पुरुष और महिला नर्तकों द्वारा किया जाता है, जो प्रायः लाई हराओबा त्योहार के दौरान किया जाता है, यह नृत्य प्रेम और भक्ति का प्रतीक है।
नुपा नृत्य	पुरुषों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः लाई हराओबा त्योहार के दौरान किया जाता है, जिसमें सुन्दर चाल और लयबद्ध ताल की विशेषता होती है।
मेघालय	
नोंग्क्रेम	नोंग्क्रेम उत्सव के दौरान खासी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें सुंदर चाल और लयबद्ध ताल की विशेषता होती है।
का शाद सुक म्यंसिएम	खासी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक अनुष्ठानिक नृत्य, जो अक्सर शाद सुक मिन्सिएम त्योहार के दौरान किया जाता है, जो खुशी और उत्सव का प्रतीक है।
लाहो	यह एक पारंपरिक नृत्य है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों द्वारा अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा इसकी विशेषता लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
बेहदीनखलम	बेहदीनखलम त्योहार के दौरान जैंतिया जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो बुरी आत्माओं को भगाने का प्रतीक है।
चाड सुकरा	चाड सुकरा त्योहार के दौरान जैंतिया जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो बुवाई के मौसम के उत्सव का प्रतीक है।

KD JOB UPDATES

Machine Translated by Google

मिजोरम	
चेराव नृत्य	मिज़ो जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक बांस नृत्य, जिसमें लयबद्ध चाल और जटिल पदचाप की विशेषता होती है।
ख़ुअल्लम	यह एक पारंपरिक नृत्य है जो गांव के मेहमानों द्वारा अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, जो एकता और मित्रता का प्रतीक है।
चैलम	चपचार कुट उत्सव के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें लयबद्ध चाल और लोकगीत शामिल होते हैं।
सरलामकै	चपचार कुट त्योहार के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो युद्ध में जीत के जश्न का प्रतीक है।
ल्लांगलाम	पुरुषों और महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक समूह नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान लयबद्ध होता है आंदोलनों.
सावलकिन	मिज़ो जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा इसकी विशेषता सुंदर चाल होती है।
नगालैंड	
रंगमा	अंगामी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
बांस नृत्य	कुकी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें बांस के डंडों और जटिल पैरों के प्रयोग का प्रयोग किया जाता है।
ज़ेलियांग	ज़ेलियांग जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
गेथिंग्लिम	एओ जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता सुंदर नृत्य है। आंदोलनों.
न्सिरोलियन्स	लोथा जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
टेमांग्नेटिन	चाखेसांग जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
त्रिपुरा	
होजागिरी	रियांग जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें सिर पर मिट्टी के बर्तन को संतुलित करना और जटिल पैरों की मुद्राएं शामिल होती हैं।
मैमाता	कालोई समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें सुंदर चाल-ढाल की विशेषता होती है।
लेबांग बूमानी	यह त्रिपुरी समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य है, जो अक्सर फसल के मौसम के दौरान किया जाता है, तथा इसकी विशेषता लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
गरिया नृत्य	त्रिपुरी समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः गरिया पूजा उत्सव के दौरान किया जाता है, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है।
बसंत रास	बसंत के त्यौहार के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर भगवान कृष्ण के जीवन को दर्शाता है।
झूम नृत्य	त्रिपुरी समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर फसल के मौसम के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता लयबद्धता होती है आंदोलनों.
सिक्किम	
चू फात नृत्य	लेप्चा समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः कंचनजंगा पर्वत के सम्मान में पांग ल्हाबसोल त्योहार के दौरान किया जाता है।
सिंघी चाम	बौद्ध भिक्षुओं द्वारा किया जाने वाला मुखौटा नृत्य, जो प्रायः लोसार त्यौहार के दौरान किया जाता है, तथा जो हिम सिंह नामक पौराणिक प्राणी का प्रतीक है।
याक चाम	भूटिया समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः लोसर त्यौहार के दौरान किया जाता है, जो इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण पशु याक का प्रतीक है।
ताशी यांगकू	लेप्चा समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें सुंदर चाल-ढाल की विशेषता होती है।
खुकुरी नाच	नेपाली समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः विवाहों और त्यौहारों के दौरान किया जाता है, जिसमें खुकुरी (पारंपरिक चाकू) का प्रयोग किया जाता है।
मारुनी नृत्य	नेपाली समुदाय द्वारा अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें लयबद्ध चाल और रंग-बिरंगे परिधानों की विशेषता होती है।

KD JOB UPDATES

Machine Translated by Google

लद्दाख	
स्पाओ नृत्य	लद्दाखी समुदाय द्वारा अक्सर त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो विजय और वीरता का प्रतीक है।
चाम नृत्य	यह बौद्ध भिक्षुओं द्वारा किया जाने वाला मुखौटा नृत्य है, जो अक्सर हेमिस के त्यौहार के दौरान किया जाता है, तथा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।
जाब्रो नृत्य	चांगपा जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता लयबद्धता होती है आंदोलनों.
शोंडोल नृत्य	लद्दाखी समुदाय द्वारा अक्सर त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जिसमें सुंदर चाल-ढाल की विशेषता होती है।
थिक्से गुस्टोर	बौद्ध भिक्षुओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर थिकसे गुस्टोर त्योहार के दौरान किया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।
याक नृत्य	लद्दाखी समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः लोसार त्यौहार के दौरान किया जाता है, जो इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण पशु याक का प्रतीक है।
लक्षद्वीप	
लावा नृत्य	द्वीपवासियों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, जिसमें लयबद्ध चाल और रंग-बिरंगे परिधानों की विशेषता होती है।
Kolkali	द्वीपवासियों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक छड़ी नृत्य, अक्सर शादियों और त्यौहारों के दौरान, लयबद्धता की विशेषता के साथ किया जाता है आंदोलनों.
परिचाकली	द्वीपवासियों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें सुंदर चाल-ढाल की विशेषता होती है।
ओपाना नृत्य	यह द्वीपवासियों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य है, जो प्रायः ईद के त्यौहार के दौरान किया जाता है, तथा इसमें लयबद्ध गतिविधियां और लोकगीत शामिल होते हैं।
दांडी नृत्य	यह द्वीपवासियों द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य है, जो प्रायः ईद के त्यौहार के दौरान किया जाता है, जिसमें लयबद्ध गतिविधियां और लाठी का प्रयोग किया जाता है।
तिरुवथिरा नृत्य	महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः ओणम के त्यौहार के दौरान किया जाता है, जिसमें सुंदर चाल और लयबद्ध ताली की विशेषता होती है।
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	
निकोबारी नृत्य	निकोबारी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
अंडमानी नृत्य	अंडमानी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
ओन्गे नृत्य	ओन्गे जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें सुंदर चाल-ढाल की विशेषता होती है।
जरावा नृत्य	जारवा जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो अक्सर त्योहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, इसकी विशेषता लयबद्धता होती है आंदोलनों.
शोम्पेन नृत्य	शोम्पेन जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें सुंदर चाल-ढाल की विशेषता होती है।
महान अंडमानी नृत्य	ग्रेट अंडमानी जनजाति द्वारा किया जाने वाला एक पारंपरिक नृत्य, जो प्रायः त्यौहारों और समारोहों के दौरान किया जाता है, तथा जिसमें लयबद्ध गतिविधियाँ होती हैं।
भारत के शास्त्रीय नृत्य	
भरतनाट्यम	तमिलनाडु के मंदिरों में निहित एक शास्त्रीय नृत्य शैली, जो अपनी जटिल भंगिमाओं और भावपूर्ण शैली के लिए जानी जाती है। आंदोलनों.
कथक	एक शास्त्रीय नृत्य शैली जिसकी जड़ें उत्तर भारत के दरबारों में हैं, जो अपनी जटिल पदचाप और भावपूर्ण कहानी कहने के लिए जानी जाती है।
कथकली	केरल के मंदिरों में निहित एक शास्त्रीय नृत्य-नाट्य शैली, जो अपनी विस्तृत वेशभूषा और श्रृंगार के लिए जानी जाती है।
कुचिपुड़ी	आंध्र प्रदेश के मंदिरों में निहित एक शास्त्रीय नृत्य शैली, जो अपनी सुंदर चाल और भावपूर्ण कहानी कहने के लिए जानी जाती है।
मणिपुरी	यह एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसकी जड़ें मणिपुर के मंदिरों में हैं, जो अपनी सुंदर मुद्राओं और भक्ति विषयों के लिए जानी जाती है।
मोहिनीअट्टम	केरल के मंदिरों में निहित एक शास्त्रीय नृत्य शैली, जो अपनी सुंदर मुद्राओं और भावपूर्ण कहानी कहने के लिए जानी जाती है।
ओडिसी	यह एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसकी जड़ें ओडिशा के मंदिरों में हैं, जो अपनी लयात्मक गतिविधियों और जटिल भाव-भंगिमाओं के लिए जानी जाती है।
सत्रिया नृत्य	यह एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसकी जड़ें असम के मठों में हैं, तथा यह अपने भक्ति विषयों और सुंदर चालों के लिए जाना जाता है।

KD JOB UPDATES